सामान्य हिन्दी एवं अपठित हिन्दी गद्यांश का विश्लेषण

नीचे दिये गये गद्यांश को पढ़कर सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए-

“ठीक है, दर्पण में तुम दूसरों को नहीं देख सकते। तुम जानते हो कि खिड़की में लगा काँच और यह दर्पण एक ही मूल पदार्थ से बने हैं। तुम स्वयं की तुलना काँच के इन दोनों रूपों से करके देखो। जब यह साधारण है तो तुम्हें सभी दिखते हैं और उन्हें देखकर तुम्हारे भीतर करुणा जागती है और जब इस काँच पर चाँदी का लेप हो जाता है, तो तुम स्वयं को देखने लगते हो।"

"तुम्हारा जीवन भी तभी महत्वपूर्ण बनेगा जब तुम अपनी आँखों पर लगी चाँदी की परत को उतार दो।”

ApnaCareer.org

Follow Us:

Ques. "दर्पण में हम दूसरों को नहीं देख सकते" इस वाक्य का निहितार्थ है-

(A) दर्पण हमें स्वयं तक सीमित कर देता है

(B) दर्पण में तो देखने वाला ही देख सकता है

(C) दूसरों को केवल खिड़की के काँच से देखा जा सकता है

(D) दर्पण का प्रयोग बिल्कुल भी नहीं करना चाहिये

Ques. "अपनी आँखों पर लगी चाँदी की परत को उतार दो" इस वाक्य का निहितार्थ है।

(A) चाँदी की परत हानिकारक है, इसे हटा देना चाहिये

(B) निष्पक्ष भाव से चीजों, व्यक्तियों, घटनाओं को देखना

(C) आँखों की देखभाल करना जरूरी है

(D) ऐश्वर्य, साधनों से दूर रहना चाहिये

Ques. 'स्वयं को देखने लगते हो' का निहितार्थ है-

(A) स्वयं को निहारना
(B) हमारी सोच का स्व-केन्द्रित होना
(C) स्वयं के गुण-दोषों का विश्लेषण करना
(D) अपनी कमियों को दूर करना

Ques. 'चाँदी का लेप' हमें क्या नहीं देखने देता-

(A) सड़क पर आने-जाने वाले लोगों को
(B) भीख माँगते गरीब व्यक्ति को
(C) जीवन, संसार की वास्तविकता को
(D) जीवन, संसार की बुराइयों को

Ques. 'काँच' शब्द के लिए किस विशेषण का प्रयोग किया गया है?

(A) खिड़की
(B) साधारण
(C) मूलपदार्थ
(D) बड़ा

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर में से सबसे उचित विकल्प चुनकर दीजिए

मोर के सिर की कलगी और सघन, ऊँची तथा चमकीली हो गई। चोंच अधिक बंकिम और पैनी हो गई, गोल आँखों में इंद्रनील की नीलाभ द्युति झलकने लगी। लम्बी नील हरित ग्रीवा की हर भंगिमा में छांही तरंगें उठने- गिरने लगीं। दक्षिण वाम दोनों पंखों धूप में सलेटी और सफेद आलेखन स्पष्ट होने लगे। पूँछ लंबी हुई और उसके पंखों पर चंद्रिकाओं के इन्द्रधनुषी रंग उद्दीप्त हो उठे। रंग-रहित पैरों को गरवीली गति की एक नयी गरिमा से रंजित कर दिया। उसका गरदन ऊँची कर देखना, विशेष भंगिमा के साथ उसे नीची कर दाना चुगना, पानी पीना, टेढ़ी कर शब्द सुनना आदि क्रियाओं में जो सुकुमारता और सौन्दर्य था, उसका अनुभव देखकर ही किया जा सकता है। गति का चित्र नहीं आंका जा सकता है।

मोरनी का विकास मोर के समान चमत्कारिक तो नहीं हुआ - परन्तु अपनी लम्बी धूप-छांह गरदन, हवा में चंचल कलगी, पंखों की श्याम-श्वेत पत्रलेखा, मंथर गति आदि से वह भी मोर की उपयुक्त सहचारिणी होने का प्रमाण देने लगी।

Ques. बंकिम का तात्पर्य है-

(A) टेढ़ा
(B) सुंदर
(C) तीखा
(D) कठोर

Ques. मंथर गति होती है-

(A) तेज गति
(B) धीमी गति
(C) लय युक्त गति
(D) टेढ़ी गति

Ques. प्रस्तुत गद्यांश है-

(A) एक शब्द चित्र
(B) एक निबंध
(C) एक रिपोर्ताज
(D) एक कहानी

Ques. 'रंजित' का तात्पर्य है-

(A) रंगयुक्त
(B) आवेश युक्त
(C) शोभा युक्त
(D) इनमें से कोई नहीं

Ques. किसकी क्रियाओं में सुकुमारता व सौंदर्य था ?

(A) मोर की

(B) मोरनी की

(C) तोते की

(D) लेखिका की

Ques. दिए गए शब्दों में शुद्ध वर्तनी ज्ञात कीजिए।

(A) प्रकृति
(B) प्रकृती
(C) पृकृति
(D) पृक्रति

Ques. 'फूल' का पर्याय नहीं है-

(A) सुमन
(B) कुसुम
(C) पुष्प
(D) तनुजा

Ques. निम्नांकित में से कौन-सा विकल्प विलोमार्थी नहीं है?

(A) सृष्टि-प्रलय
(B) अस्त-उदय
(C) क्रम- अनुक्रम
(D) जड़-चेतन

Ques. 'पीछे-पीछे चलने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

(A) अनुचर
(B) अनुगामी
(C) अनुवर्ती
(D) अनुगमनीय

Ques. दिए गए मुहावरे का अर्थ ज्ञात कीजिए।

दलदल में फँसना

(A) चुनौती पूर्णकार्य

(B) मुश्किल में पड़ना

(C) गंदा होना

(D) गिर जाना

"मनुष्य के लिए कविता इतनी प्रयोजनीय वस्तु है कि संसार की सभ्य-असभ्य सभी जातियों में, किसी-न- किसी रूप में पाई जाती है। चाहे इतिहास न हो, विज्ञान न हो, दर्शन न हो, पर कविता का प्रचार अवश्य रहेगा। बात यह है कि मनुष्य ही व्यापारों का ऐसा सघन और जटिल मण्डल बाँधता चला आ रहा है जिसके भीतर बँधा वह शेष सृष्टि के साथ अपने हृदय का सम्बन्ध भूला-सा रहता है। इस परिस्थिति में मनुष्य को अपनी मनुष्यता खोने का डर बराबर रहता है। इसी की अन्तःप्रकृति में मनुष्यता को समय-समय पर जगाते रहने के लिए कविता मनुष्य जाति के साथ चली आ रही है और चलती चलेगी"

Ques. कविता मानव का पथ कब प्रशस्त करती है?

(A) जब वह सांसारिक बंधनों से मुक्त रहता है
(B) जब वह अपने उद्देश्यों के प्रति सजग रहता है
(C) जब वह अपनी मनुष्यता को खोने के डर से भयभीत रहता है
(D) जब उसे अपने देश दुनिया की खबर नहीं रहती है

Ques. 'वह शेष सृष्टि के साथ अपने हृदय का संबंध भूला-सा रहता है।' वाक्य में वह शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(A) कविता के पाठक के लिए
(B) लेखक के लिए
(C) सम्पूर्ण मनुष्य जाति के लिए
(D) अन्य किसी प्राणी के लिए

Ques. कविता में प्रयोजनीयता के संबंध में कौन-सा कथन सत्य है?

(A) वह सभी में किसी-न-किसी रूप में पाई जाती है
(B) उसका प्रचार हर काल में होता रहेगा
(C) वह मनुष्य की अंत:प्रकृति में मनुष्यता को जगाते रहने का काम करती है
(D) वह सभ्य-असभ्य सभी वर्गों से जुड़ी रहती है

Ques. इनमें से कौन-सा कथन सत्य नहीं है?

(A) मनुष्य के लिए कविता अत्यन्त प्रयोजनीय वस्तु है

(B) कविता सामाजिक दायित्व की दिशा बताती है

(C) कविता मनुष्य को ऐसा सघन और जटिल मण्डल बाँधने का गुर सिखाती है कि वह मानवीय दायित्वों को भूल जाता है

(D) कविता जीवन जीने की कला सिखाती है

Ques. मनुष्य को अपनी मनुष्यता खोने के भय से कविता किस प्रकार मुक्ति दिलाएगी?

(A) शेष सृष्टि से संबंध भुलाकर
(B) मनुष्य को सांसारिक व्यापारों से जोड़कर
(C) मनुष्य की अंत:प्रकृति में मनुष्यता जगाकर
(D) काव्य-परंपरा का विस्तार करके

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

"भारतीय नारी त्याग, बलिदान, साहस, शक्ति तथा सेवा की सजीव मूर्ति है। जीवन के सुख-दुःख में छाया की भाँति पुरुष का साथ देने के कारण यह अर्द्धांगिनी, घर की व्यवस्थापिका होने के कारण वह लक्ष्मी और अलाघनीय गुणों के कारण वह देवी कही जाती है। स्वार्थ और भोगलिप्सा को तिलांजलि देकर भारतीय नारी ने आत्मबलिदान के द्वारा समय-समय पर ऐसी ज्योति प्रज्वलित की है कि उसके पुनीत प्रकाश में पुरुष ने अपना मार्ग ढूँढ़ा है। उसकी शक्ति के आगे तो यमराज को भी हारना पड़ा। नारी का सम्मान करके ही पुरुष का जीवन- कुसुम सुवासित होता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहाँ देवता निवास करते हैं।"

Ques. प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक है-

(A) भारतीय नारी
(B) नारी एवं पुरुष में अन्तर
(C) नारी दुर्गा का रूप
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

ApnaCareer.org

Follow Us:

Ques. घर की व्यवस्थापिका होने के कारण नारी का रूप है-

(A) देवी
(B) अर्द्धांगिनी
(C) लक्ष्मी
(D) सहचरी

Ques. भारतीय नारी के गुण हैं-

(A) त्याग व शक्ति
(B) बलिदान
(C) बलिदान, साहस व सेवा
(D) उपर्युक्त सभी

Ques. भारतीय संस्कृति में देवताओं का निवास-स्थान माना गया है-

(A) जहाँ नारियों का सम्मान हो
(B) जहाँ नारियाँ सम्पन्न हों
(C) जहाँ नारियाँ सौभाग्यशाली हों
(D) जहाँ नारी को पुरुष के समान अधिकार प्राप्त हों

Ques. नारी की शक्ति के आगे किसको हारना पड़ा ?

(A) भगवान को
(B) पुरुष को
(C) यमराज को
(D) जगत् को

Ques. निम्न में से कौन-सा संधि विच्छेद सही है ?

(A) गण + इश
(B) भौ + अन
(C) जगत + अनाथ
(D) सदा + एव

Ques. कौन-सा शब्द 'कमल' का पर्यायवाची नहीं है?

(A) पंकज

(B) अम्बुज

(C) वारिद

(D) जलज

Ques. 'प्रसन्न' का विलोम इनमें से नहीं है-

(A) अप्रसन

(B) अप्रसन्न

(C) खिन्न

(D) दुःखी

Ques. निम्न वाक्यांश के लिए एक शब्द का चयन कीजिए-
"जो किसी वस्तु या विषय में आसक्त न हो"

(A) आसक्त
(B) अनासक्त
(C) नि:सक्त
(D) अज्ञात

Ques. 'दही' शब्द है-

(A) पुल्लिंग
(B) नपुंसकलिंग
(C) स्त्रीलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

Ques.

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए।

वैज्ञानिक प्रयोग की सफलता ने मनुष्य की बुद्धि का अपूर्व विकास कर दिया है। द्वितीय विश्वयुद्ध में एटम बम की शक्ति ने कुछ क्षणों में ही जापान की अजेय शक्ति को पराजित कर दिया। इस शक्ति की युद्धकालीन सफलता ने अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस आदि सभी देशों को ऐसे शस्त्रास्त्रों के निर्माण की प्रेरणा दी कि सभी भयंकर और सर्वविनाशकारी शस्त्र बनाने लगे। अब सेना को पराजित करने तथा शत्रु- देश पर पैदल सेना द्वारा आक्रमण करने के लिए शस्त्र निर्माण के स्थान देश के विनाश करने की दिशा में शस्त्रास्त्र बनने लगे हैं। इन हथियारों का प्रयोग होने पर शत्रु-देशों की अधिकांश जनता और सम्पत्ति थोड़े समय में ही नष्ट की जा सकेगी। चूँकि ऐसे शस्त्रास्त्र प्राय: सभी स्वतन्त्र देशों के संग्रहालयों में कुछ-न-कुछ आ गए हैं, अत: युद्ध की स्थिति में उनका प्रयोग भी अनिवार्य हो जाएगा। अत: दुनिया का सर्वनाश या अधिकांश नाश तो अवश्य हो ही जाएगा। इसलिए निशस्त्रीकरण की योजनाएँ बन रही हैं। शस्त्रास्त्रों के निर्माण में जो दिशा अपनाई गई, उसी के अनुसार आज इतने उन्नत शस्त्रास्त्र बन गए हैं, जिनके प्रयोग से व्यापक विनाश आसान दिखाई पड़ता है। अब भी परीक्षणों की रोकथाम तथा बने शस्त्रों के प्रयोग के रोकने के मार्ग खोजे जा रहे हैं। इन प्रयासों के मूल में एक भयंकर आतंक और विश्व-विनाश का भय कार्य कर रहा है।

Ques. एटम बम की अपार शक्ति का प्रथम अनुभव कैसे हुआ ?

(A) जापान में हुई भयंकर विनाशलीला से
(B) जापान की अजेय शक्ति की पराजय से
(C) अमेरिका, रूस, ब्रिटेन और फ्रांस की प्रतिस्पर्धा से
(D) अमेरिका की विजय से

Ques. बड़े-बड़े देश आधुनिक विनाशकारी शस्त्रास्त्र क्यों बना रहे हैं?

(A) अपनी-अपनी सेनाओं में कमी करने के उद्देश्य से
(B) अपने संसाधनों का प्रयोग करने के उद्देश्य से
(C) अपना-अपना सामरिक व्यापार बढ़ाने के उद्देश्य से
(D) पारस्परिक भय के कारण

Ques. आधुनिक युद्ध भयंकर व विनाशकारी होते हैं, क्योंकि-

(A) दोनों देशों के शस्त्रास्त्र इन युद्धों में समाप्त हो जाते हैं
(B) अधिकांश जनता और उसकी सम्पत्ति नष्ट हो जाती है
(C) दोनों देशों में महामारी और भुखमरी फैल जाती है
(D) दोनों देशों की सेनाएँ इन युद्धों में मारी जाती हैं

Ques. इस गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक होगा-

(A) निशस्त्रीकरण
(B) आधुनिक शस्त्रास्त्रों का विनाशकारी प्रभाव
(C) एटम बम की शक्ति
(D) आतंक और विश्व-विनाश का भय

Ques. "व्यापक विनाश आसन्न दिखाई पड़ता है।" इस वाक्य में 'आसन्न' का अर्थ क्या है ?

(A) अवश्य घटित होने वाला
(B) कुछ समय बाद घटित होने वाला
(C) किसी क्षेत्र विशेष में घटित होने वाला
(D) कभी घटित नहीं होने वाला

Ques. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर इस गद्यांश के आधार पर दीजिए :

लोभ चाहे जिस वस्तु का हो जब वह बहुत बढ़ जाता है तब उस वस्तु की प्राप्ति, सानिध्य या उपभोग से जी नहीं भरता। मनुष्य चाहता है कि वह बार-बार मिले या बराबर मिलता रहे। धन का लोभ जब रोग होकर चित्त में घर कर लेता है, तब प्राप्ति होने पर भी और प्राप्ति की इच्छा बराबर बनी रहती है जिससे मनुष्य सदा आतुर और प्राप्ति के आनन्द से विमुख रहता है। जितना नहीं है उतने के पीछे, जितना है उतने से प्रसन्न होने का उसे कभी अवसर ही नहीं मिलता। उसका सारा अन्त:करण सदा अभावमय रहता है। उसके लिए जो है वह भी नहीं है। असन्तोष अभाव-कल्पना से उत्पन्न दु:ख है। अत: जिस किसी में यह अभाव-कल्पना स्वाभाविक हो जाती है। सुख से उसका नाता सब दिन के लिए टूट जाता है। न किसी को देखकर वह प्रसन्न होता है और न उसे देखकर कोई प्रसन्न होता है। इसलिए सन्तोष को सात्विक जीवन का अंग बताया गया है।

Ques. मनुष्य का अन्त:करण सदैव अभावमय क्यों रहता है ?

(A) वह सात्विक जीवन जीने लगता है।

(B) जितना है उतने से प्रसन्न होने का उसे कभी अवसर नहीं मिलता।

(C) लोभ की पूर्ति हेतु वह अनेकानेक वस्तुओं की प्राप्ति कर लेता है।

(D) जितना है उतने से वह प्रसन्न हो जाता है।

Ques. गद्यांश का सही शीर्षक है-

(A) असन्तोष

(B) धन-लोभ

(C) लोभ और असन्तोष

(D) लोभ और प्रीति

Ques. गद्यांश में किस शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है?

(A) अभावग्रस्त
(B) अभावमय
(C) अन्त:करण
(D) सात्विक

Ques. सात्विक जीवन का अंग किसे कहा गया है ?

(A) धन-लोभ
(B) सन्तोष
(C) परोपकार
(D) भक्ति

ApnaCareer.org

Follow Us:

Ques. असन्तोष किस प्रकार का दु:ख माना गया है?

(A) लोभ की पूर्ति न होने का दु:ख माना गया है।
(B) धन प्राप्त न होने का दु:ख माना गया है।
(C) सन्तोष प्राप्त होने का दु:ख माना गया है।
(D) अभाव-कल्पना से उत्पन्न दु:ख माना गया है।

Ques. निम्नलिखित में से 'वृक्ष' का पर्यायवाची शब्द नहीं है?

(A) तरु
(B) विटप
(C) पेड़
(D) मंजरी

Ques. 'पेट भरे मन-मोदक से कब' - सही विकल्प चुनिए।

(A) पुरुषार्थ से किसी काम में सफलता न मिलना
(B) सच्चाई व ईमानदारी से किसी काम में सफलता मिलना
(C) केवल भगवान के नाम लेने से किसी काम में सफलता मिलना
(D) केवल सोचते रहने से किसी काम में सफलता न मिलना

Ques. शब्द के सही रूप का चयन कीजिए-

(A) त्रिष्णा
(B) तिरिष्णा
(C) तृष्णा
(D) तृष्णा

Ques. विलोम शब्दों को जोड़कर लिखिए।

'अ'	'ब'
a. विस्तार	1. सुधा
b. गरल	2. संक्षेप
c. विधि	3. पतन
d. उत्थान	4. निषेध

a	b	c	d	
(A)	2	4	3	1
(B)	1	2	4	3
(C)	2	1	4	3
(D)	4	3	1	2

Ques. दिए गए वाक्यांश के लिए उचित शब्द का चयन कीजिए-

जिसका वर्णन न हो सके।

(A) अपेक्षित

(B) वर्णनीय

(C) अनुरक्त

(D) अवर्णनीय

Ques. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए।

डॉ. रामकुमार वर्मा ने ऐतिहासिक एवं समस्यामूलक एकांकियों की रचना की है। उनकी एकांकियों का मूल स्वर आदर्शवादी है। प्रेम, सेवा, उदारता, त्याग और बलिदान की भावनाओं से ओत-प्रोत इन ऐतिहासिक एकांकियों में भारत के अतीत गौरव को प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रीयता की भावना जगाने का प्रयास किया गया है। समस्यामूलक एकांकियों में वर्मा जी ने शिक्षित मध्यमवर्गीय दम्पत्तियों की अनेक समस्याओं-प्रेम, सेक्स, सन्देह, दम्भ आदि को कथानक का विषय बनाया है, किन्तु उनकी परिणति आदर्श में हुई है क्योंकि उनके एकांकियों की नायिकाएँ अन्ततः अपने पति के सम्मान की रक्षा करती हुई दिखाई पड़ती हैं यथा 'रेशमी टाई' की ललिता और 'एक्ट्रेस' एकांकी की नायिका प्रभात कुमारी। अतिशय आदर्शवादिता के कारण वर्मा जी एकांकी यथार्थ से दूर हो गए जान पड़ते हैं, किन्तु एकांकी शिल्प की दृष्टि से वे हिन्दी के युग प्रवर्तक एकांकी - कार माने जा सकते हैं। आरम्भ, कौतूहल, संकलनत्रय, चरम सीमा आदि तत्व उनके एकांकियों में बड़ी सूक्ष्मता से विद्यमान हैं। रंगमंचीयता एवं अभिनेयता के गुणों से भी उनके एकांकी सम्पन्न हैं तथा उनमें सरसता के साथ-साथ शिल्प की प्रौढ़ता भी विद्यमान है। वस्तुतः एकांकी कला को चरम यौवन पर पहुँचाने का श्रेय डॉ. रामकुमार वर्मा को ही दिया जाता है।

Ques. उपरोक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा ?

(A) डॉ. वर्मा की लेखन शैली
(B) डॉ. रामकुमार वर्मा की एकांकी
(C) डॉ. रामकुमार वर्मा के नाटकों में राष्ट्रीयता
(D) डॉ. वर्मा के एकांकियों में रंगमंचीयता

Ques. डॉ. रामकुमार वर्मा की एकांकियों का मूल स्वर है

(A) यथार्थवादी

(B) आदर्शवादी

(C) आदर्शोन्मुखी यथार्थवादी

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ques. रंगमंचीयता एवं अभिनेयता की दृष्टि से वर्मा जी की एकांकी-

(A) सफल हैं

(B) असफल हैं

(C) सम्पादन माँगते हैं

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ques. वर्मा जी की समस्यामूलक एकांकियों में चित्रण किया गया है-

(A) शिक्षित मध्यवर्गीय दम्पत्तियों की समस्या का
(B) राजनीतिक समस्या का
(C) शोषण की समस्या का
(D) सामाजिक समस्या का

Ques. बड़ों के लिए उपयुक्त अभिवादन का चयन कीजिये-

(A) सप्रेम नमस्कार
(B) सादर प्रणाम
(C) सस्नेह
(D) चिरंजीव

Ques. कुछ कहा जा रहा है उससे कहीं महत्वपूर्ण होता है अपनी बात कहने का तरीका। आप कितनी ही जरूरी बात क्यों न कहें, अगर आपकी बात कोई सुने नहीं, महसूस ही न करे, तो उसे कहने का फायदा ही क्या ? किसी के कहे को सुनने के लिए, उसे महसूस करने के लिए, पूरा ध्यान केन्द्रित करने की जरूरत होती है और वही मिलता था मुझे उस महान संगीतज्ञ बीथोवन के स्वरों द्वारा-पूरा ध्यान। आप पूछ सकते हैं कि " आवाजाही और बातचीत के शोर से भरे किसी कमरे के दूसरे छोर पर बैठा कोई बच्चा उन आठ कोमल स्वरों को भला कैसे सुनता होगा ?" इस सवाल का जवाब तो कोई भी शिक्षक दे सकता है। ये स्वर तो वे बच्चे ही सुन पाते थे जो पियानो के बिल्कुल पास खड़े हों, और तब उनका स्पर्श दूसरों को आगाह करता था । पर कुछ ही क्षणों तेजी से फैलती वह खामोशी ही बोलने लगती थी और जब तक आखिरी स्वर की गूँज खत्म होती, सभी बच्चे शांत हो चुके होते थे। वे खामोशियों, से सन्नाटे याद रहेंगे मुझे, ... सात क्या उसके भी कई-कई सालों बाद भी।

Ques. लेखिका के अनुसार अपनी बात कहने के सन्दर्भ में सबसे महत्वपूर्ण क्या है ?

(A) ध्यान केन्द्रित करने के लिए आवाजों का प्रयोग करना
(B) सवाल का जवाब देना
(C) जो कुछ कहा जा रहा है
(D) बात कहने का तरीका

Ques. संवाद तभी सार्थक होता है जब-

(A) मधुर आवाज

(B) शान्त माहौल

(C) जरूरी बात करना

(D) कहने-सुनने वाले सक्रिय हों

Ques. 'खामोशी ही बोलने लगती है' से अभिप्राय है-

(A) खामोशी तेज आवाज में बोलती है

(B) खामोश बच्चे बोलने लगते हैं

(C) जब कुछ बच्चे धीरे-धीरे बोलना बंद कर देते हैं तो बाकी बच्चों को पता चल जाता है कि उन्हें भी शान्त होना है

(D) खामोशी बच्चों से कहती है कि जाओ

Ques. लेखिका के अनुसार-

(A) एक शिक्षक अपने बच्चों को बहुत अच्छी तरह जानता है
(B) बच्चों को शान्त करने के लिए संगीत का ही प्रयोग करना चाहिये
(C) बच्चे बहुत शोर करते हैं
(D) बच्चे बहुत बोलते हैं

Ques. 'महत्वपूर्ण' शब्द है-

(A) विकारी

(B) यौगिक

(C) रूढ़

(D) योगरूढ़

Ques. 'दिगंत' में कौन-सी संधि है ?

(A) स्वर संधि
(B) विसर्ग संधि
(C) व्यंजन संधि
(D) द्विगु संधि

Ques. 'वृक्ष' शब्द का पर्यायवाची है-

(A) प्रसून
(B) पादप
(C) किंकर
(D) हेम

Ques. 'भौतिक' के लिए विलोम शब्द होगा-

(A) प्रभौतिक
(B) आध्यात्मिक
(C) कृत्रिम
(D) इनमें से कोई नहीं

Ques. 'ऐहिक' का तात्पर्य है-

(A) जो सांसारिक न हो
(B) इस लोक से संबंध रखने वाला
(C) ऐतिहासिक
(D) देह संबंधी चिकित्सा

Ques. स्त्रीलिंग-पुल्लिंग का कौन-सा जोड़ा सही नहीं है ?

(A) देव-देवी
(B) मामा-मामी
(C) कान्त-कान्ती
(D) गधा-गधी

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए।

उन्नीसवीं शताब्दी में यह राष्ट्रीय जागरण सम्पूर्ण भारत में किसी-न-किसी रूप में अभिव्यक्त हो रहा था, जिसमें भारतीय के साथ आधुनिकता का संगम था। स्वामी विवेकानन्द ने तो अमेरिका, इंग्लैंड आदि देशों से भारत लौटकर पूर्व और पश्चिम के श्रेष्ठ तत्वों के संयोजन से भारत को आधुनिक बनाने का स्वप्न देखा था। उन्होंने माना कि भारत और पश्चिम की मूल गति एवं उद्देश्य भिन्न हैं, परन्तु भारत को जागना होगा कुसंस्कारों एवं जाति-विद्वेष को त्यागना होगा। विवेकनन्द का मत था कि भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है। यहाँ गरीबी अपराध एवं पाप नहीं है तथा दरिद्रों की अपेक्षा धनिकों को अधिक प्रकाश की जरूरत है। वे चाहते थे कि हम नीच, अज्ञानी, दरिद्र-सभी को भाई मानें और गर्व से कहें- हम सब भाई भारतवासी हैं। मनुष्य को मानव बनाना, आदमी को इंसान बनाना आवश्यक है। हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो हमें संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बना सके। विचारों में विवेकानंद, गाँधी से अधिक दूर नहीं थे और ऐसे ही विचारकों का चिंतन उन्नीसवीं सदी में भारत को उद्वेलित कर रहा था।

Ques. आशय स्पष्ट कीजिए-' दरिद्रनारायण' मानकर उसकी सेवा करनी होगी-

(A) दरिद्र लोगों को ईश्वर का अंश मानकर उनकी सेवा करनी चाहिए।
(B) दरिद्र लोगों को गरीबी का मारा हुआ मानकर उनकी सेवा करनी चाहिए
(C) दरिद्र लोगों को साधु मानकर उनकी सेवा करनी चाहिए
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ques. विवेकानन्द किसके लिए संस्कार और प्रकाश की अधिक जरूरत मानते थे-

(A) दरिद्रों के लिए

(B) धनवानों के लिए

(C) (A) व (B) दोनों

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ques. 'मनुष्य को मानव', 'आदमी को इंसान' बनाने से क्या तात्पर्य है ?

(A) उनमें इंसानियत के श्रेष्ठ भाव पैदा करना व उन्हें श्रेष्ठ गुणों से सम्पन्न करना
(B) उनमें ईमानदारी के श्रेष्ठ भाव पैदा करना व उन्हें श्रेष्ठ गुणों से सम्पन्न करना
(C) उनमें संतों के श्रेष्ठ भाव पैदा करना व उन्हें श्रेष्ठ गुणों से संपन्न करना
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ques. गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए-

(A) विवेकानन्द के सपनों का देश

(B) विवेकानन्द के सपनों का भारत

(C) गरीबों का भारत

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ques. 'अभिव्यक्त' में उपसर्ग है-

(A) क्त

(B) व्यक्त

(C) अभि

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

सामान्य हिन्दी एवं अपठित हिन्दी गद्यांश का विश्लेषण

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए।

साहित्य समाज का दर्पण है। इसका सम्बन्ध व्यष्टि से न होकर समष्टि से है क्योंकि समाज में जो आचार-विचार, वेशभूषा, नीति-मर्यादा प्रचलन में होती है, उसका प्रत्यक्ष प्रभाव साहित्य पर अवश्य पड़ता है। चाहे वह किसी भी काल का प्रतिनिधित्व क्यों न करता हो। इस प्रकार साहित्य सामाजिक उन्नति से प्रभावित भी होता है और सामाजिक उन्नति को प्रभावित करने की भी सामर्थ्य रखता है। विद्वानों ने इस सन्दर्भ में कहा है—‘‘साहित्य संगीत, कला विहीनः, साक्षात् पशु पुच्छ विषाण हीनः।” वाल्तेयर ने साहित्य को समाज का आदर्श गुरु माना है जो अपने मार्ग-दर्शन से प्रत्येक आयु वर्ग के व्यक्ति को एक आदर्श मार्ग दिखलाता है। जब तक साहित्य में समाज का स्पन्दन होता रहता है, वह अमर एवं सजीव साहित्य कहलाता है। किन्तु जिस साहित्य में अश्लीलता, काल्पनिकता एवं अव्यावहारिकता है, वह साहित्य समाज का सच्चा प्रतिनिधित्व नहीं करता।

मध्यकालीन साहित्य मनुष्य के संघर्ष, उसकी चाटुकारिता, मनुष्य के पतन की पराकाष्ठा एवं जातीय संघर्ष को मुखरित करता है जबकि आधुनिक साहित्य जड़-परम्पराओं को त्यागने, प्रतिस्पर्धा में स्वयं के आगे निकलने एवं अपनी सांस्कृतिक पहचान को बचाये रखने के जीवट संघर्ष का समीचीन प्रतीक है। सच तो यह है कि साहित्य एक ओर समाज को अपने अतीत से प्रेरणा देता है, वहीं दूसरी ओर समाज में घट रही घटनाओं को अपने लेखन का आधार बनाता है। इतिहास का मौलिक परिष्कार, संस्कार एवं सुकाल्पनिक विन्यास ही साहित्य है। जिस समाज या राष्ट्र का साहित्य पतन की ओर अग्रसर है वहाँ की युवा पीढ़ी का भविष्य भी शोचनीय है।

Ques. गद्यांश का उचित शीर्षक होगा-

(A) साहित्य एवं समाज
(B) व्यष्टि एवं समष्टि
(C) मध्यकालीन साहित्य
(D) साहित्य का पतन

Ques. समष्टि से तात्पर्य है-

(A) सम्पूर्ण समाज का प्रतिनिधित्व
(B) कुलीन वर्ग का साहित्य
(C) सकारात्मक दृष्टिकोण
(D) सर्वकालीन साहित्य

Ques. मध्यकालीन साहित्य समाज की किस विशेषता का प्रतिनिधित्व करता है ?

(A) उत्तरोत्तर चारित्रिक विकास

(B) मर्यादित आचरण

(C) नैतिक पतन

(D) समाज का बिम्ब-प्रतिबिम्ब

Ques. युवा पीढ़ी का भविष्य निर्भर करता है-

(A) समाज की मर्यादा पर
(B) साहित्यकारों की सोच पर
(C) शिक्षा की गुणवत्ता पर
(D) श्रेष्ठ साहित्य के निर्माण पर

Ques. अमर साहित्य कहलाने का सच्चा हकदार वह साहित्य है, जो-

(A) सर्वकालिक हो
(B) सार्वभौमिक हो
(C) सामाजिक स्पन्दित हो
(D) आदर्शोन्मुखी हो

Ques. दिए गए शब्द का पर्यायवाची ज्ञात कीजिए।

कोष

(A) अंबर
(B) रुधिर
(C) खजाना
(D) ग्राम

Ques. निम्न मुहावरे का अर्थ बताइए-

"आस्तीन का साँप होना”

(A) विषाक्त होना

(B) चंचल होना

(C) विश्वासघाती होना

(D) मूर्खतापूर्ण कार्य करना

Ques. वर्तनी की दृष्टि से कौन-सा शब्द सही है ?

(A) द्वन्द

(B) दन्द्व

(C) द्वंद्व

(D) द्वन्द्व

Ques. इनमें से कौन-सा शब्द 'कृष्ण' शब्द का विलोम है?

(A) राधा
(B) श्वेत
(C) कंस
(D) शिशुपाल

Ques. 'कनुप्रिया' के रचनाकार कौन हैं?

(A) रांगेय राघव
(B) भगवतीचरण वर्मा
(C) नागार्जुन
(D) धर्मवीर भारती

सामान्य हिन्दी एवं अपठित हिन्दी गद्यांश का विश्लेषण

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उचित उत्तर वाले विकल्प को चुनिए- बाजार के विज्ञापनों ने हिन्दी को एक क्रान्तिकारी रूप दिया, जिसमें रवानगी है, स्वाद है, रोमांच है, आज की सबसे बड़ी चाहत का अकूत संसार है। इस तरह हिन्दी भविष्य की भाषा, समय का तकाजा और रोजगार की जरूरत बनती जा रही है।

लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ पत्रकारिता है। सूचना- क्रान्ति ने विश्व को डिबिया बना दिया है। मीडिया की जागरूकता ने समाज में एक क्रांति ला दी है और इस क्रांति की भाषा हिन्दी है। इतने सारे समाचार चैनल हैं और सभी चैनलों पर हिन्दी अपने हर रूप में नये कलेवर, तेवर में निखरकर सँवरकर, लहरकर, 'बोले तो बिंदास बनकर छाई रहती है। 'तुलनात्मक अर्थों में आज अंग्रेजी - पत्रकारिता से हिन्दी - पत्रकारिता का मूल्य, बाजार, उत्पादन, उपभोग और वितरण बहुत बड़ा है।

प्रिंट मीडिया की स्थिति ज्यादा बेहतर है, पत्र-पत्रिकाओं की लाखों प्रतियाँ रोजाना बिकती हैं। चीन के बाद सबसे अधिक अखबार हमारे यहाँ पढ़े जाते हैं, हिन्दी के संप्रेषण की यह मानवीय, रचनात्मक और सारगर्भित उपलब्धि है। पत्र-पत्रिकाएँ हिन्दी की गुणवत्ता और प्रचार-प्रसार के लिए कृसंकल्प हैं। यह भ्रम फैल गया था कि हिन्दी रोजगारोन्मुखी नहीं है। आज सरकारी, गैर-सरकारी क्षेत्रों में करोड़ों हिन्दी पढ़े-लिखे लोग आजीविकापार्जन कर रहे हैं। भविष्य में हिन्दी की बाजार-माँग और अधिक हो सकती है।'

पसीनों में, प्रार्थनाओं में, सिरहानों की सिसकियों में और हमारे सपनों में तब तक हिन्दी रहेगी जब तक वह बिना किसी पीड़ा या रोग के सप्राण, सावक और सस्वर रहेगी।

ApnaCareer.org

Follow Us:

Ques. लोकतंत्र का चौथा स्तंभ किसे कहा गया है ?

(A) कार्यपालिका
(B) पत्रकारिता
(C) न्यायपालिका
(D) विधायिका

Ques. तुलनात्मक दृष्टि से लेखक ने किस पत्रकारिता को व्यापक माना है ?

(A) हिन्दी पत्रकारिता
(B) अंग्रेजी पत्रकारिता
(C) स्थानीय पत्रकारिता
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ques. विश्व को डिबिया बना देने से आशय समझाइए-

(A) विश्व के लोगों को एक-दूसरे से दूर ले जाना
(B) विश्व के लोगों को एक-दूसरे के नजदीक लाना
(C) विश्व में ग्राम पंचायतें बनाना
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ques. 'सरकारी' शब्द का विलोम निम्न में से है-

(A) अर्द्ध-सरकारी
(B) गैर-सरकारी
(C) संस्थागत
(D) इनमें से कोई नहीं

Ques. 'संप्रेषण' में उपसर्ग है-

(A) सम्

(B) ण

(C) प्रेषण

(D) कोई नहीं

ApnaCareer.org

Follow Us:

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उचित उत्तर वाले विकल्प को चुनिए- बोलने का विवेक, बोलने की कला और पटुता व्यक्ति की शोभा है, उसका आकर्षण है। सुबुद्ध वक्ता अपार जनसमूह का मन मोह लेता है, मित्रों के बीच सम्मान और प्रेम का केन्द्र-बिन्दु बन जाता है। जो लोग अपनी बात को राई का पहाड़ बनाकर उपस्थित करते हैं, वे एक ओर जहाँ सुनने वाले के धैर्य की परीक्षा लिया करते हैं, वहीं अपना और दूसरे का समय भी अकारण नष्ट किया करते हैं, विषय से हटकर बोलने वालों से,अपनी बात को अकारण खींचते चले जाने वालों से तथा ऐसे मुहावरों और कहावतों का प्रयोग करने वालों से जो उस प्रसंग में ठीक ही न बैठ रहे हों, लोग ऊब जाते हैं। वाणी का अनुशासन, वाणी का संयम और सन्तुलन तथा वाणी की मिठास ऐसी शक्ति है जो हर कठिन स्थिति में हमारे अनुकूल ही रहती है, जो मरने के पश्चात् भी लोगों की स्मृतियों में हमें अमर बनाये रहती है। हाँ, बहुत कम बोलना या सदैव चुप्पी लगाकर बैठे रहना भी बुरा है। यह हमारी प्रतिभा और तेज को कुंद कर देता है। ऐसा व्यक्ति गुफा में रहने वाले उस व्यक्ति की तरह होता है, जिसे बहुत दिनों के बाद प्रकाश में आने पर भय लगने लगता है। अतएव कम बोलो, सार्थक और हितकर बोलो। यही वाणी का तप है।

Ques. इस गद्यांश में व्यक्ति की शोभा और आकर्षण किसे बताया गया है ?

(A) वक्ता के विवेक को
(B) कला-पटुता और विवेक को
(C) विषय से हटकर बोलने की कला को
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ques. किस प्रकार का बोलना पंसद नहीं किया जाता ?

(A) अनावश्यक रूप से बढ़ा-चढ़ाकर कहना
(B) विषय से हटकर व्यर्थ बोलना
(C) प्रसंगेतर मुहावरे - कहावतें आदि कहना
(D) उपर्युक्त सभी

ApnaCareer.org

Follow Us:

Ques. किस प्रकार की भाषा हमें जीवन में लोकप्रिय और जीवन के बाद अमर बनाए रहती है ?

(A) अनुशासित वाणी
(B) संयमित वाणी
(C) संतुलित वाणी की मिठास
(D) उपर्युक्त सभी

ApnaCareer.org

Follow Us:

Ques. बहुत कम बोलना भी अच्छा क्यों नहीं है ?

(A) यह प्रतिभा को कुंद कर देता है व ऐसा व्यक्ति भयभीत रहने लगता है
(B) कम बोलने वाला विवेकहीन समझा जाता है
(C) कम बोलने वाले से लोग ऊब जाते हैं
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ques. कम, सार्थक तथा हितकारी बोलने को क्या कहा गया है ?

(A) वाणी का संयम
(B) वाणी का अनुशासन
(C) वाणी का तप
(D) वाणी का गुण

Ques. निम्नलिखित शब्दों में शुद्ध शब्द ज्ञात कीजिए-

(A) गुरुतत्वाकर्षण
(B) गुरुतवार्षण
(C) गुरुत्ववार्कषण
(D) गुरुत्वाकर्षण

Ques. 'गेह' शब्द का पर्यायवाची है-

(A) गृह
(B) गर्दभ
(C) व्योम
(D) गाय

Ques. 'कनिष्ठ' का विलोम शब्द होगा-

(A) स्वर्ण
(B) अनुज
(C) ज्येष्ठ
(D) श्रेष्ठ

Ques. ऐसा रोग जिसका उपचार सम्भव न हो-

(A) अरोगी
(B) अतिरोगी
(C) विरोगी
(D) असाध्य

Ques. दिए गए मुहावरे का अर्थ ज्ञात कीजिए। आकाश का फूल होना।

(A) ईर्ष्या से जलना
(B) भूख लगना
(C) अति क्रोधित होना
(D) अप्राप्य होना

ApnaCareer.org

Follow Us:

सामान्य हिन्दी एवं अपठित हिन्दी गद्यांश का विश्लेषण

जीवन में सत्य का बहुत महत्व है। शास्त्रों में कहा गया है कि सत्य का मार्ग धर्म का मार्ग होता है। महाभारत के युद्ध में पांडवों की जीत इसलिए हुई थी क्योंकि वे सत्य का मार्ग अपना रहे थे। सत्य के मार्ग को धर्म का मार्ग कहा जाता है। ऐसा कहा जाता है कि तीन चीजें छुपाए नहीं छुपती-सूरज, चन्द्रमा और सत्य। जो लोग सत्य का, न्याय का पक्ष लेते हैं, उनकी प्रशंसा सभी लोग करते हैं। सत्य का साथ देने वालों को इतिहास स्वर्णिम पन्नों पर दर्ज करता है। परन्तु जो लोग झूठ, असत्य का साथ देते हैं, उनकी चारों ओर आलोचना होती है। सत्य का महत्व तब ही है जब सत्य को जीवन में मन, वचन, कर्म से स्वीकार किया जाये तथा प्रयोग किया जाये। सत्य की महिमा का बखान करना, सत्य के विषय में उपदेश देना जितना सरल है, जीवन में सत्य का आचरण करना उतना ही कठिन है। सत्य का आचरण करने वाला व्यक्ति ही सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा एवं सम्मान प्राप्त करता है। सत्य के आचरण के आधार पर ही हम एक-दूसरे पर विश्वास करते हैं।

परस्पर विश्वास की नींव पर ही सम्पूर्ण समाज की रचना टिकी हुई है। सत्य मानव की सबसे बड़ी शक्ति है। सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं हो सकता। हमारे देश में तो राजा हरिश्चन्द्र जैसे सत्यवादी हुए हैं, जिनकी मिसाल आज तक दी जाती है। सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र ने सत्य के मार्ग पर चलने की प्रतिज्ञा की थी और आजीवन उसका पालन किया। उनका कहना था, चन्द्र टरै, सूरज टरै, टरै जगत व्यवहार पहली पंक्ति। दूसरी पंक्ति पै दृढ़ श्री हरिश्चन्द्र को, रैन सत्य विचार।

ApnaCareer.org

Follow Us:

Ques. सत्य के मार्ग को कौन-सा मार्ग कहा जाता है ?

(A) अन्याय का मार्ग
(B) धर्म का मार्ग
(C) आलोचना का मार्ग
(D) प्रशंसा का मार्ग

Ques. जीवन में कौन-से मार्ग का बहुत महत्व है?

(A) विरोधी

(B) असत्य

(C) झूठ

(D) सत्य

Ques. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा ?

(A) असफलता का मार्ग
(B) अन्याय का मार्ग
(C) सत्य का मार्ग
(D) कठिनाई का मार्ग

Ques. आज भी कौन-से विद्वान को सत्यवादी के नाम से जाना जाता है?

(A) कालिदास
(B) हरिश्चन्द्र
(C) जयशंकर प्रसाद
(D) पांडवों

Ques. सत्य का आचरण करने वाला व्यक्ति सामाजिक जीवन में क्या प्राप्त करता है?

(A) प्रतिष्ठा एवं सम्मान
(B) आलोचना एवं असत्य
(C) अनादर एवं अन्याय
(D) विश्वास एवं अपराध

दीपावली पूरे देश में हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाने वाला सबसे बड़ा पर्व होता है। इस दिन भगवान श्रीराम, माता सीता और भ्राता लक्ष्मण के साथ चौदह वर्ष का वनवास पूर्ण कर अयोध्या लौटे थे। इस खुशी में अयोध्यावासियों ने दीये जलाकर उनका स्वागत किया था। अमावस्या की अंधेरी रात जगमग अंसख्य दीपों से जगमगाने लगती है। यह त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या के दिन मनाया जाता है। दशहरे के बाद से ही घरों में दीपावली की तैयारियाँ व्यापक स्तर पर शुरू हो जाती हैं, प्रत्येक समाज त्योहारों के माध्यम से अपनी खुशी को प्रकट करता है। दीपावली का त्योहार जीवन में खुशी प्रदान करता है। नया जीवन जीने का उत्साह प्रदान करता है। भारत देश में दीपावली का बहुत अधिक महत्व है। इस दिन को अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक माना जाता है। इस दिन को बहुत ही सुंदर और पारंपरिक तरीके से मनाया जाता है। दीपावली के दिन धन की देवी लक्ष्मी जी, माता सरस्वती जी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है।

Ques. दीपावली किस दिन मनाई जाती है ?

(A) पूर्णिमा
(B) किसी भी दिन
(C) अमावस्या
(D) रविवार

Ques. दीपावली सभी के जीवन में क्या प्रदान करती है?

(A) क्रोध
(B) दु:ख
(C) खुशी
(D) लाभ

Ques. दशहरे के बाद कौन-से त्योहार की तैयारियाँ शुरू हो जाती हैं?

(A) रक्षाबंधन
(B) होली
(C) छठ पूजा
(D) दीपावली

Ques. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा ?

(A) नव वर्ष
(B) रक्षाबंधन
(C) दीपावली
(D) दशहरा

Ques. भगवान श्रीराम, सीता व लक्ष्मण के साथ कितने न वर्ष बाद वनवास से अयोध्या लौटे थे?

(A) पाँच वर्ष
(B) चौदह वर्ष
(C) तीन वर्ष
(D) दो वर्ष

Ques. निम्नलिखित शब्दों में से शुद्ध शब्द ज्ञात कीजिए-

(A) पद्धथि
(B) पक्षी
(C) पद्धति
(D) पद्धती

Ques. दिए गए शब्द का पर्यायवाची ज्ञात कीजिए।

कोविद

(A) पताका
(B) विद्वान
(C) तुरंत
(D) बेरहम

Ques. दिए गए शब्द का विलोम शब्द ज्ञात कीजिए।

(A) उपर्युक्त
(B) आयात
(C) अतिरिक्त
(D) विरक्त

ApnaCareer.org

Follow Us:

Ques. दिए गए वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द का चयन कीजिए।

रात्रि में विचरण करने वाला

(A) थलचर

(B) निशाचर

(C) नीरस

(D) जलचर

Ques. दिए गए मुहावरे का अर्थ ज्ञात कीजिए।

फूलना-फलना

(A) मोटे होना

(B) भयभीत होना

(C) मतभेद पैदा करना

(D) धनवान होना

आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु धवल पत्रों वाला है। सभ्याचरण प्रखर नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी गुप्त है, राग गाता हुआ भी सुर के भीतर है। मृदु वचन की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से घुली है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता भी आचरण की भाषा है। मनुष्य के जीवन पर इस मौन व्याख्यान का प्रभाव क्षणिक अथवा स्वल्पजीवी नहीं, अपितु सनातन होता है।

बर्फ का दुपट्टा बाँधे हिमालय इस समय तो अति सुन्दर मालूम होता है, परन्तु प्रकृति ने अगणित शताब्दियों के परिश्रम से रेत का एक-एक कण समुद्र में डुबा–डुबोकर इस हिमालय के दर्शन कराये हैं। आचरण भी हिमालय की तरह ऊँचे कलश वाला मन्दिर है। यह वह आम का पेड़ नहीं जिसे जादूगर क्षणभर में हथेली पर जमा दे। इसके बनने में अनन्त काल लगा है। पृथ्वी बन गई, सूर्य बन गया, नील-पिंगल संध्या बन गई, तारागण आकाश में दौड़ने लगे परन्तु अभी तक आचरण के सुन्दर रूप से पूर्ण दर्शन नहीं हुये। कहीं-कहीं उसकी अल्पल्प छटा अवश्य दिखाई देती है।

Ques. ‘सभ्याचरण प्रखर नाद करता हुआ भी मौन है'- इस वाक्य में 'प्रखर' शब्द है-

(A) विशेषण
(B) संज्ञा
(C) क्रिया-विशेषण
(D) अव्यय

Ques. गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक है-

(A) सभ्यता की भाषा
(B) आचरण की सभ्यता
(C) सभ्यता का मौन व्याख्यान
(D) सभ्यता का रोग

Ques. "नम्रता, दया ..... आचरण की भाषा हैं-
इस वाक्य में 'नम्रता' शब्द है-

(A) विशेषण
(B) क्रिया-विशेषण
(C) अव्यय
(D) संज्ञा

Ques. इनमें से कौन-सा आचरण की भाषा के रूप में उल्लिखित नहीं है ?

(A) नम्रता

(B) दया

(C) करुणा

(D) उदारता

ApnaCareer.org

Follow Us:

Ques. मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव कैसा होता है ?

(A) क्षणिक

(B) सनातन

(C) स्वल्पजीवी

(D) चिरस्थायी

अलग-अलग घरों से निकलकर आने वाले बालकों ने बस में एक जीवन्त वातावरण बना डाला। ढेर सारे किस्से, तरह-तरह के अनुभव, मार्ग के खेतों, पेड़ों और पक्षियों का अवलोकन, रेत के टीलों का सौन्दर्य, मुँह से निकले गीतों के स्वर और मस्ती से सबका मिल-जुलकर एक साथ गाना - सचमुच पता ही नहीं लगा कि कब भालेरी आ गया ? बस अड्डे पर रुकते ही सामने कुआँ था, जिस पर हवा से चलने वाला पम्प लगा था। काफी ऊँचा पनचक्की की किस्म का वह संयन्त्र बालकों के लिए एक आकर्षण था। हो-हो करते चट से भागते हुये वे लोग कुएँ पर जा पहुँचे, वहाँ के मिस्त्री ने उन्हें सारी प्रक्रिया समझाई कि किस तरह हवा में घूमती चक्की से अपने आप धीरे-धीरे कुँए से पानी निकलता रहता है और सीमेण्ट की बनी उन कुण्डलियों में पहुँचता रहता है, जिन पर शीशे के मोटे-मोटे काँच लगे हैं और तेज धूप की वजह से जिनके भीतर का पानी गरम होता रहता है और भाप उठकर शीशों से टकराती हुई अलग नालियों से होती हुई मीठे पानी के रूप में बाहर एक हौज में जमा होती रहती है।

बात बहुत छोटी थी, पर देखने के साथ ही छात्रों को विज्ञान के एक सिद्धान्त का साधारणीकरण हो गया। बच्चों ने वहाँ के मिस्त्री जी से खोद-खोदकर अनेकानेक प्रश्न पूछे। अनेक जानकारियाँ बटोरीं। उन्होंने कुएँ का खारा पानी पीया। हौज में गिरने वाले मीठे पानी को चखा। एक ने पूछा कि कितने घण्टों में कितने गैलन पानी कुण्डियों में जमा होता है और उसमें से कितनी मात्रा में मीठा पानी प्राप्त होता है ? दूसरे ने पूछा कि खारे पानी से दाँत पीले होते हैं और मीठे पानी से ? तीसरे की जिज्ञासा थी कि तब तो आप यहाँ सब्जियों की फसल भी ले सकते हैं।

Ques. 'जिन पर शीशे के मोटे-मोटे काँच लगे हैं' वाक्य में 'जिन' सर्वनाम किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(A) नालियों के लिए

(B) हौज के लिए

(C) संयन्त्र की पत्तियों के लिए

(D) सीमेण्ट की कुण्डलियों के लिए

Ques. 'तेजी से' के अर्थ में कौन-सा शब्द सूचक

(A) भागते हुए

(B) चट से

(C) निकलकर आये

(D) ढेर सारे

Ques. बच्चों का स्वाभाविक गुण क्या है ?

(A) गप्पें मारना
(B) इधर-उधर की हाँकना
(C) किस्से बनाना
(D) अनुभव बाँटना

Ques. 'कब भालेरी आ गया' वाक्य किसका सूचक है ?

(A) प्रश्न पूछने के भाव का
(B) भालेरी पहुँचने का
(C) भालेरी उतरने का
(D) समय पता न चलने का

Ques. कुएँ के पानी के मीठा होने का क्या कारण है ?

(A) यन्त्र द्वारा पानी को छानना
(B) पानी का भाप बनना
(C) नमक का सोखा जाना
(D) चक्की द्वारा पानी को चलाना

Ques. दिए गए शब्दों में से शुद्ध वर्तनी ज्ञात कीजिए।

(A) कवित्री
(B) कवयित्री
(C) कवयीत्री
(D) कवियित्री

Ques. 'फल' शब्द का पर्यायवाची है-

(A) फरेब

(B) फणी

(C) परिणाम

(D) फिराक

ApnaCareer.org

Follow Us:

Ques. 'उर्वर' का विलोम शब्द होगा-

(A) मूसर
(B) ऊसर
(C) अस्त
(D) अल्प

Ques. 'जिसकी कोई कीमत न हो सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

(A) कीमती
(B) अमूल्य
(C) बहुमूल्य
(D) इनमें से कोई नहीं

Ques. दिए गए मुहावरे का अर्थ ज्ञात कीजिए।

पानी-पानी होना

(A) शर्मिंदा होना

(B) नल में हमेशा पानी आना

(C) बाढ़ आ जाना

(D) लगातार वर्षा होना

Ques. नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उचित उत्तर वाले विकल्प को चुनिए—

कुसुम शाम को मन्दिर में दर्शन करते हुए घर गई। वह देर तक गीत गाती रही। उसे समय का पता ही न था, आधी रात बीत गई। उसने सितार बजाई। फिर भी उसका मन न लगा। उसने टहलना शुरू किया, रात किसी तरह कटी। सुबह उसकी आँखें नींद से बेझिल हो रही थीं। वह देर तक सोती रही। माँ ने आकर जगाया और कलेवा करने के लिए कहा। जैसे-तैसे वह उठी, नहाई और साइकिल से कॉलेज के लिए चली। कॉलेज में उसकी सखी ने घी के पराँठे खिलाए। कुसुम के संगीत प्रेम की कॉलेज में छात्र ही नहीं, परिवार में मामा, चाचा, नाना और भाई-बहन भी प्रशंसा करते हैं।

इनमें से कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग नहीं है ?

(A) शाम

(B) रात

(C) कलेवा

(D) आँखें

Ques. 'कुसुम शाम को घर गयी।' इस वाक्य में कौन-सा काल है?

(A) सामान्य भूत
(B) आसन्न भूत
(C) पूर्ण भूत
(D) संदिग्ध भूत

Ques. कारक चिह्न के प्रयोग के बावजूद इनमें से किस शब्द का बहुवचन नहीं बनता ?

(A) घी

(B) गीत

(C) घर

(D) सखी

Ques. इनमें से किस शब्द का लिंग नहीं बदलता ?

(A) चाचा
(B) छात्र
(C) साइकिल
(D) मामा

Ques. इनमें से कौन-सा शब्द सदैव बहुवचन में ही प्रयुक्त होता है?

(A) दर्शन

(B) मन

(C) पराँठा

(D) सितार

Ques. सौन्दर्य की परख अनेक प्रकार से की जाती है। बाह्य सौन्दर्य की परख समझना तथा उसकी अभिव्यक्ति करना सरल है। जब रूप के साथ चरित्र का भी स्पर्श हो जाता है जब उसमें रसास्वादन की अनुभूति भी होती है। एक वस्तु सुन्दर तथा मनोहर कही जा सकती है, परन्तु सुन्दर वस्तु केवल इन्द्रियों को सन्तुष्ट करती है, जबकि मनोरम वस्तु चित्त को भी आनन्दित करती है। इस दृष्टि से कवि जयदेव का बसन्त चित्रण सुन्दर है। 'सुन्दर' शब्द संकीर्ण है, जबकि मनोहर व्यापक तथा विस्तृत है। साहित्य में साधारण वस्तु विशेष प्रतीत होती है, तथा उसे मनोहर कहते हैं।

सौन्दर्य की परख की जाती है-

(A) आनन्द की मात्रा के आधार पर

(B) इन्द्रियों की सन्तुष्टि के आधार पर

(C) रूप के आधार पर

(D) मनोहरता के आधार पर

ApnaCareer.org

Follow Us:

Ques. रसास्वादन की अनुभूति का बोध होता है ?

(A) चरित्र स्पर्शी रूप से
(B) चित्त के आनन्द से
(C) सौन्दर्य की अभिव्यक्ति से
(D) इन्द्रिय सुख मात्र से

Ques. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है ?

(A) साहित्य और सौन्दर्य
(B) अभिव्यक्ति की अनुभूति
(C) सुन्दरता बनाम मनोहरता
(D) सुन्दरता की संकीर्णता

Ques. मनोहर का सन्धि विच्छेद है ?

(A) मनो + हर

(B) मनः + हर

(C) मनो + अहर

(D) मन + हर

Ques. कवि जयदेव का बसंत चित्रण सुन्दर है, मनोहर नहीं, क्योंकि ?

(A) यह इन्द्रिय सुखदायक है
(B) इसमें अनुभूति नहीं है
(C) इसमें केवल सौन्दर्य वर्णन है
(D) यह चित्त को आनन्दित नहीं करता

Ques. निम्न में से कोई एक युग्म समोच्चारित नहीं है, चयन कीजिए-

(A) कोश- कोस
(B) करोड़-क्रोड़
(C) कर्ण-कान
(D) कर्म-क्रम

Ques. 'घुटने टेकना' मुहावरा का अर्थ है-

(A) निराश होना
(B) थक जाना
(C) विनती करना
(D) अधीनता स्वीकार करना

Ques. वर्तनी की दृष्टि से निम्न में शुद्ध शब्द है-

(A) रचियता
(B) रचयिता
(C) रचईता
(D) रचियिता

Ques. वाक्य को पढ़कर उस खण्ड का चयन करें जो व्याकरण अथवा शब्द- ज्ञान के नियमों के अनुसार त्रुटिपूर्ण हो। यदि सभी खण्ड त्रुटि रहित हों, तो कोई त्रुटि नहीं को उत्तर के रूप में चिह्नित करें।

(A) दुनिया में मनुष्य की आवश्यकताओं के लिए तो

(B) बहुत कुछ है, परन्तु उसके

(C) लोभ के लिए कदापि नहीं है।

(D) कोई त्रुटि नहीं

Ques. लेखक और उसकी रचना का कौन-सा जोड़ा गलत है ?

(A) स्कन्दगुप्त-लक्ष्मीनारायण मिश्र
(B) संस्कृति के चार अध्याय-रामधारी सिंह 'दिनकर'
(C) रसज्ञ-रंजन-आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
(D) अशोक के फूल-आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

General English

Read the following information carefully and answer the given questions.

By the mid 19th century, mass production of paper patterns, the emergence of the home sewing machine and the convenience of mail order catalogues brought fashionable clothing into the American home. By the early 20th century, home economists working in extension and outreach programmes taught women how to use paper patterns to improve the fit and efficiency of new garments as well as how to update the existing ones.

Teachers of home economics traditio-nally made home sewing a critical part of their curriculum, emphasising self sufficiency and resourcefulness for young women. However, with the increasing availability of mass produced clothing in catalogues and department stores, more and more women preferred buying garments to making them. As a result, home economists shifted their attention to consumer education. Through field study, analysis and research, they became experts on the purchase and preservation of ready to wear clothing for the family, offering budgeting instruction targeted at adolescent girls. Modern home sewing made it possible for American women to transcend their economic differences and geographic locations with clothing that increasingly standardised. The democratisation of fashion continued through the 20th century as the ready-to-wear market expanded and home sewing became more of a pastime than necessity.

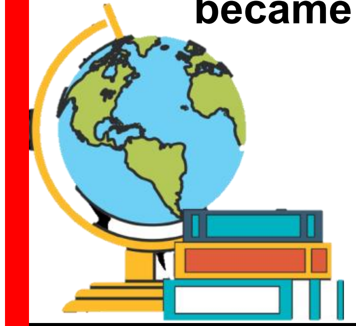

Ques. Which of the following is the main focus of the passage?

(A) Historical shifts in home sewing from the mid 19th century through the 20th century.

(B) Modernisation of home sewing.

(C) Changing role of home economists aas a result of changes in the world.

(D) Impact of ready-to-wear and mass- produced fashion on home home sewing.

सामान्य हिन्दी एवं अपठित हिन्दी गद्यांश का विश्लेषण

नीचे दिए गये गद्यांश के बाद 5 प्रश्न दिए गये हैं। इस गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें और चार विकल्पों में से प्रत्येक प्रश्न का सबसे उचित उत्तर चुनें।

समय का आदर करना ही उसका सदुपयोग करना है, जो व्यक्ति समय की सही कीमत जान लेता है, वही जीवन में सफलता प्राप्त कर पाता है। यह धन से भी अधिक महत्वपूर्ण है। धन खोने पर वापस पाया जा सकता है, परन्तु बीता हुआ समय नहीं लौटाया जा सकता है। छात्रों के जीवन में इसका अधिक महत्व है, जो छात्र इस उम्र में समय की कदर करना सीख जाते हैं, वह भविष्य में तरक्की की ऊँचाइयों छू लेते हैं। चाणक्य, गांधी जी, अशोक आदि ने समय का सदुपयोग कर अपने पैरों के निशान छोड़ दिए । जीवन का प्रत्येक क्षण भविष्य का निर्माता है, जो लोग इसके महत्व को नहीं समझ पाते, वे केवल हाथ मलते रह जाते हैं। हम चाहे विश्राम कर लें, परन्तु समय कभी विश्राम नहीं करता। समय के प्रति सजगता मानव जीवन के लिए उपयोगी है। अतः छात्रों को समय की कीमत पहचानकर इसका सार्थक उपयोग करना चाहिए।

Ques. छात्रों के लिए समय का सदुपयोग अधिक आवश्यक क्यों है ?

(A) जो इसकी महत्ता समझते हैं वह सफल होते हैं

(B) सदुपयोग करने से सदा विफल होते हैं

(C) कभी भी सफल नहीं होते हैं

(D) सदा पीछे रहते हैं

Ques. समय धन से अधिक महत्वपूर्ण क्यों है ?

(A) समय वापस मिल जाएगा पर धन नहीं
(B) बहुत मेहनत से मिलता है
(C) धन वापस मिल जाएगा पर समय नहीं
(D) समय नहीं मिलता

Ques. इस अनुच्छेद का सबसे उपयुक्त शीर्षक बताएँ।

(A) जीवन और समय
(B) छात्र जीवन और समय
(C) छात्र जीवन
(D) समय का अनुपयोग

Ques. वनस्पतियाँ जब सड़ने लगती है तो वातावरण को मिलती है।

(A) नाइट्रोजन
(B) कार्बन डाइ-ऑक्साइड
(C) जैविक खाद
(D) ऑक्सीजन

Ques. पौधों और प्राणियों का जीवन एक-दूसरे के अस्तित्व के समान आ जाएगा, जब हवा में लंबे समय तक

(A) कार्बन डाइ-ऑक्साइड मिलना बंद हो जाए।

(B) कार्बन डाइ ऑक्साइड और ऑक्सीजन का अनुपात समान रहे।

(C) वनस्पतियाँ कार्बन डाइ ऑक्साइड का विनिमय करती रहें।

(D) सूर्य का प्रकाश मिलता रहे।

इस गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें और चार विकल्पों में से प्रत्येक प्रश्न का सबसे उचित उत्तर चुनें।

साहस की जिंदगी सबसे बड़ी जिंदगी होती है। ऐसी जिंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिलकुल निडर, बिलकुल बेखौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। दूसरों की परवाह किए बगैर जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी ऐसे ही आदमी से मिलता है। साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है, जिनका कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है। झुंड में चलना और झुंड में चरना तो भैंस और भेड़ का काम है। साहसी मनुष्य तो सिंह के समान होता है, जो अकेला होने पर भी मग्न रहता है। अर्नाल्ड बेनेट ने एक जगह लिखा "जो आदमी उपयुक्त अवसर मिलने पर भी साहस से काम न ले सका, वह कभी भी सुखी नहीं हो सकता" । समय पर साहस न दिखाने वाला व्यक्ति अपने भीतर एक आवाज सुनता है, जो उसे बराबर कहती है, "तुम साहस नहीं" दिखा सके, तुम कायर की तरह भाग खड़े हुए।"

Ques. साहसी मनुष्य क्या उधार नहीं लेता ?

(A) सपने
(B) विचार
(C) बुद्धि
(D) अवसर

Ques. साहसी मनुष्य किसके समान है ?

(A) भैंस
(B) भेड़
(C) सिंह
(D) जानवर

Ques. दुनिया की परवाह किए बिना जीने वाले व्यक्ति से किसको प्रकाश मिलता है।

(A) दुनिया को
(B) समाज को
(C) मनुष्यता को
(D) आम आदमी को

Ques. लेखक ने कैसे जीवन को महान बताया है ?

(A) विवेकशील जीवन को
(B) कमजोरी को
(C) स्वावलंबनपूर्ण को
(D) हिम्मत को

Ques. इनमें से कौन-सा व्यावहारिक शब्द के लिए पर्यायवाची शब्द नहीं है ?

(A) व्यवहारशील
(B) आदर्शवादी
(C) व्यवहार में लाने के योग्य
(D) व्यवहार कुशल

Ques. निम्न में वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द कौन-सा है ?

(A) अतीथि
(B) अतिथि
(C) अतीथी
(D) अतिथी

Ques. निम्नलिखित में कौन गलत सुमेलित हैं?

(A) अँगूठे पर मारना - परवाह न करना

(B) कान काटना - मात देना

(C) नजर करना - भेंट करना

(D) नजर पर चढ़ना - आँख बचाना

Ques. इनमें से कौन-सा शब्द 'बिजली' शब्द का पर्यायवाची नहीं है?

(A) तड़ित
(B) विद्युत
(C) दामिनी
(D) सलिल

Ques. 'आसक्त' का विलोम क्या होगा ?

(A) विरक्त
(B) अनुराग
(C) रक्त
(D) सक्त

Ques. लेखक और उसकी रचना का कौन-सा जोड़ा गलत है ?

(A) स्कन्दगुप्त - लक्ष्मीनारायण मिश्र
(B) संस्कृति के चार अध्याय-रामधारी सिंह 'दिनकर'
(C) रसज्ञ-रंजन-आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
(D) अशोक के फूल-आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी